



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पर्क पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२०१५ मार्च २२	६ - ९ - २३	३	३ - ५

### शिक्षक दिवस • इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान कॉलेज में कार्यक्रम गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक सोच और संबंध आवश्यक : प्रो. काम्बोज

भारत न्यूज | हिसार

शिक्षकों का कर्तव्य विद्यार्थियों में सिर्फ रिकल ही पैदा करना नहीं है अपितु उन्हें अपने जीवन मूल्यों व कर्तव्यों का बोध करवाना भी है। इसलिए शिक्षक आत्म-अवलोकन जरूर करें। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अनुशासित बनकर अपने गुरुजों का सम्मान जरूर करें। गुरु-शिष्य के बीच इसी सकारात्मक संबंध से हमारा देश फिर से विश्वगुरु कहलाएगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और उपभोक्ता विज्ञान द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के प्रांगण में पौधरोपण किया।

मुख्यातिथि ने कार्यक्रम में विशेष तौर पर मौजूद संबोधित महाविद्यालय से सेवानिवृत्त शिक्षिकाएं, जिनमें डॉ. नीलम खेतरपाल, डॉ. नीलम पर्खी, डॉ. सरोज जीत सिंह, डॉ. सविता सिंगल व डॉ. कृष्णा कामरा का विशेष अभिनंदन कर आभार जताया। इस अवसर पर छान्त्राओं ने शिक्षकों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। इससे पूर्व इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने सभी का धन्यवाद कर शिक्षक दिवस पर सभी को बधाई दी।



शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज संबोधित करते हुए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचूर पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	६-९-२३	५	१-५

### गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक सोच व संबंध ज़रूरी, तभी हमारा देश फिर से बन सकेगा विश्वगुरु: प्रो. काम्बोज

हृष्टि के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

हिसार, ५ सितंबर (विरेन्द्र विद्यार्थियों को गुरु-शिष्य के बीच विद्यार्थियों में सिर्फ स्कूल ही पैदा करना नहीं है अपितु उन्हें अपने जीवन मूल्यों व कर्तव्यों का बोध करवाना भी है। इसलिए शिक्षक आत्म-अवलोकन जरूर करें। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अनुशासित बनकर अपने गुरुजनों का सम्मान जरूर करें। गुरु-शिष्य के बीच इसी सकारात्मक संबंध से हमारा देश फिर से विश्वगुरु कहलाएगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे।

वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और उपभोक्ता विज्ञान द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में बौतूर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने शिक्षाविदें व



हृष्टि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज छात्राओं से हालचाल जानते हुए।

कठिनाईयों व चुनौतियों आ जाए बनाने में शिक्षकों का अहम लेकिन अंतिम क्षण तक हार नहीं माननी चाहिए। इन्होंने बतलाया था कि जीवन में सवाधिक महत्व वर्तमान का है। इसलिए विद्यार्थियों को चाहिए कि वे जीवन में अनुशासित बनकर सफल नागरिक की राह पर चले। कुलपति ने स्वामी परमहंस व का आहान किया। मुख्यातिथि ने अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आहान किया। मुख्यातिथि ने

स्वामी विवेकानंद के जीवन के प्रसंगों का उदाहरण देकर भी गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक संबंध को परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का जीवन सफल से कहा कि जीवन में चाहे जितनी भी कार्यक्रम में विशेष तौर पर मौजूद संबंधित महाविद्यालय से सेवानिवृत शिक्षिकाएं, जिनमें डॉ. नीलम खेत्रपाल, डॉ. नीलम पर्णथी, डॉ. सरोज जीत सिंह, डॉ. सविता सिंहल व डॉ. कृष्ण कामरा का विशेष अभिनंदन कर आभार जताया। इस अवसर पर छात्राओं ने शिक्षकों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। साथ ही छात्राओं ने म्युजिकल चैयर गेम करवाकर माहौल को खुशनुमा बनाया। इसके अलावा विद्यार्थियों ने बचपन की यादें विषय पर शिक्षाविदें के बचपन की फोटो को डॉक्यूमेंटरी के जरिए प्रस्तुत कर माहौल को तरो-ताजा कर दिया। अंत में कुलपति ने उपस्थित छात्राओं से मुलाकात कर हाल-चाल जाना। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इससे पूर्व इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अध्यात्मा डॉ. मंजू मेहता ने सभी का धन्यवाद कर शिक्षक दिवस पर सभी को बधाइ दी।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैरेस मूल	६. ९. २३	२	२-७

## एयएयू के इंदिरा चक्रवर्ती सानुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में हुआ विशेष कार्यक्रम गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक सोच व संबंध जल्दी: प्रो. बीआर

दरिगुण व्युज महिला

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा है कि शिक्षकों का कर्तव्य विद्यार्थियों में सिर्फ सिक्का ही पैदा करना नहीं है अपितु उन्हें अपने जीवन मूल्यों व कर्तव्यों का बोध कराना भी है। इसलिए शिक्षक आत्म-अवलोकन जरूर करें। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अनुशासित बनकर अपने गुरुजनों का सम्मान जरूर करें। गुरु-शिष्य के बीच इसी सकारात्मक संबंध से हमारा देश फिर से विश्वासुरु कहलाएगा।



हिसार। हक्कि कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज छात्राओं से हालाचाल जानते हुए।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज उपलक्ष्य पर आयोजित विशेष मगलवार को हरियाणा कृषि कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सानुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और उपभोक्ता विज्ञान द्वारा शिक्षक दिवस के

### छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया

ग्रन्थालय वे कार्यक्रम में विशेष तौर पर ऐन्जीनियरिंग विभाग, जिवल एं लैंगिक अटरपाल, डॉ. वीलम पर्स्टी, डॉ. सरोज जीत रिह, डॉ. अरिता दिवंग व डॉ. कृष्णा काकरा का विशेष अभिलक्षण कर आगार जताया। छात्राओं वे विद्यालय के उद्योग में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। साथ ही छात्राओं वे स्ट्रिजिकल एवं वैज्ञानिक कर्मान्वयन गृहीत को खुशगुण जताया। इसके अलावा विद्यार्थियों वे बचपन की यद्देश्य पर विश्वविद्यालय के बचपन की योग्यता के संवर्धन के जरिए प्रस्तुत कर गृहीत की उमेर-ताजा कर दिया। अत मैं कुलपति ले उपर्युक्त छात्राओं से गुलाकार कर ढाल चाल जाना। साथ ही उनके उत्तरपाल अधिकारी की कमला की। इससे पूर्व हक्कि चक्रवर्ती सानुदायिक विज्ञान महाविद्यालय को अधिकृत डॉ. मंजु गोहता वे सभी का शक्तिवाद कर विद्याक दिवस पर उन्होंने खबरांदहा।

किया। इन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि लेकिन अंतिम क्षण तक हार नहीं जीवन में चाहे जितनी भी माननी चाहिए। इन्होंने बतलाया था कठिनाईयां व चुनौतियां आ जाएं कि जीवन में सवाधिक महत्व प्राप्ति में पौधरोपण किया।

वर्तमान का है। इसलिए विद्यार्थियों को चाहिए कि वे जीवन में अनुशासित बनकर सफल नागरिक की राह पर चले।

कुलपति ने स्वामी परमहंस व स्वामी विवेकानन्द के जीवन के प्रसारों का उदाहरण देकर भी गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक संबंध को परिभासित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का जीवन सफल बनाने में शिक्षकों का अहम योगदान होता है। कार्यक्रम के दैरान मुख्यालयित ने इंदिरा चक्रवर्ती सानुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘अभू’ ३ जानूरा	६-९-२३	५	५-५

युवाओं को हर पथ पर सकारात्मक सोच  
के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया



एवाई में कुलपति प्रो. कंबोज छात्राओं से बातचीत करते हुए। अंक: संस्करण

### माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के संसाधन प्रबन्धन और उपभोक्ता विज्ञान की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक सोच व संबंध के साथ जीवन के हर पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि जीवन में चाहे जितनी भी कठिनाइयाँ व चुनौतियाँ आ जाएं, लेकिन अंतिम शान तक हार नहीं माननी चाहिए। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे जीवन में अनुशासित बनकर सफल

नागरिक की रह पर चले। कार्यक्रम के दौरान मुख्यतिथि ने इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के प्रागण में पौधरोपण किया। संवादित शिक्षिकाएं डॉ. नीलम खेतरपाल, डॉ. नोरनम पस्थी, डॉ. सरोज जीत सिंह, डॉ. सविता सिंगल व डॉ. कृष्ण कामरा का विशेष अभिनेत्र का आभार जताया।

छात्राओं ने शिक्षकों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने बचपन की यादें विषय पर शिक्षाविद के बचपन की फोटो को डॉक्यूमेंटरी के जरिये प्रस्तुत कर माहौल को तरोताजा कर दिया। महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. मंजु मेहता ने शिक्षक दिवस पर सभी को बधाई दी।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पर्क पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टीएन-५, ज०३०१२०।	६-९-२३	३	७-८



गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक सोच व संबंध जरूरी : प्रो. बीआर

हकृति के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज छात्राओं से हालचाल जानते हुए। • पीआरओ जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक संबंध से हमारा देश फिर से विश्वगुरु कहलाएगा। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और उपभोक्ता विज्ञान

द्वारा आयोजित शिक्षक दिवस कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। मुख्यालिय ने महाविद्यालय में पौधरोपण किया। इस दौरान सेवानिवृत्त शिक्षिका डा. नीलम खेत्रपाल, डा. नीलम परुची, डा. सरोज जीत सिंह, डा. सविता सिंगल व डा. कृष्णा कामरा का विशेष आभार जताया। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. मंजू मेहता ने धन्यवाद किया।

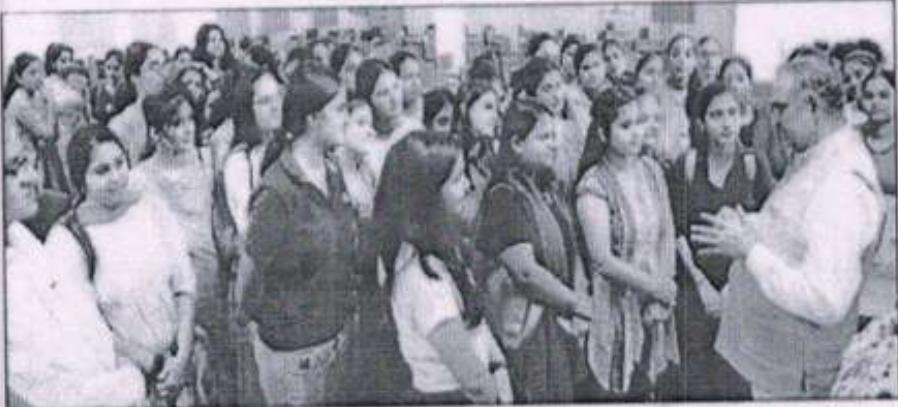


## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	05.09.2023	--	--

### गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक सोच व संबंध जरूरी, तभी हमारा देश फिर से बन सकेगा विश्वगुरु : प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज  
हिसार, 5 सितंबर। शिक्षकों का कर्तव्य विद्यार्थियों में सिफारिश कील ही पैदा करना नहीं है अपितृ उन्हें अपने जीवन मूल्यों व कर्तव्यों का बोध करवाना भी है। इसलिए शिक्षक आत्म-प्रबलतेकर ज़रूर करें। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अनुशासित बनकर अपने मूल्यों का सम्पादन ज़रूर करें। गुरु-शिष्य के बीच इसी सकारात्मक संबंध से हमारा देश फिर से विश्वगुरु कहलाएगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कूलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। ये विश्वविद्यालय के इंदिया चक्रवर्ती मानुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के संस्थापन प्रबोधन और उपरोक्त विज्ञान द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में बनीरा मुख्यालिय मर्यादित कर रहे थे। मुख्यालिय प्रो. बी.आर. काम्बोज ने शिक्षाविदें व विद्यार्थियों को गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक सोच व संबंध के माध्य जीवन के हर पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों में कहा कि जीवन में बाहरे ज़िन्दगी भी कठिनाईया व चूर्णीतया आ जाए तो किन अंतिम धारा तक तभी नहीं माननी चाहिए। इन्होंने बतलाया था कि जीवन में मर्यादित महत्व बर्तमान का है। इसलिए विद्यार्थियों को चाहिए कि वे जीवन में



अनुशासित बनकर सफल नागरिक की रुह पर चले। कूलपति ने स्वामी परमहेंस व स्वामी विवेकानंद के जीवन के प्रसंगों का उदाहरण देकर भी गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक संबंध को परिप्रैषित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का जीवन यफल बनाने में शिक्षकों का अहम योगदान होता है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यालिय ने इंदिया चक्रवर्ती मानुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के प्रांगण में पौधरोपण किया। माथ की उपस्थित शिक्षाविदें व विद्यार्थियों में अधिक से अधिक पेहँल लगाने का आड्डन किया। मुख्यालिय ने कार्यक्रम में विशेष तीर पर मीजूद मर्यादित महाविद्यालय से मेवानिवृत शिक्षकाएं, जिनमें डॉ. नीलम खेतपाल, डॉ. नीलप मस्ती, डॉ. सरोज जीत

सिंह, डॉ. सविता सिंगल व डॉ. कृष्णा कामय का विशेष अभिनंदन कर आभार जताया। इस अवसर पर छात्राओं ने शिक्षकों के सम्मान में सामूकृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। साथ ही छात्राओं ने म्यूजिकल चैयर गेम करवाकर माहील को सुनानुमा बनाया। इसके अलावा विद्यार्थियों ने बचपन की यादें विषय पर शिक्षाविदें के बचपन की फोटो को डॉक्यूमेंटरी के जरिए प्रस्तुत कर माहील को तरो-ताजा कर दिया। अंत में कूलपति ने उपस्थित छात्राओं में मूलाकात कर लाल-चाल जाना। उनके उन्नवाल भविष्य को कामना की। इसमें पूर्व इंदिया चक्रवर्ती मानुदायिक विज्ञान महाविद्यालय को अधिकारिता डॉ. मंजू मेहता ने सभी का धन्यवाद कर शिक्षक दिवस पर सभी को बधाई दी।